डा0 आर0बी0एस0 रावत, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में आयोजित वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद, उत्तराखण्ड की बैठक दिनांक 27–07–2010 का कार्यवृत्त

दिनांक 27–07–2010 को मंथन सभागर, राजपुर रोड़, देहरादून में अनुसंधान सलाहकार परिषद (रिसर्च एडवाइजरी ग्रुप) की बैठक डा0 आर0बी0एस0 रावत, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित अनुसंधान सलाहकार परिषद के सदस्यों, उनके प्रतिनिधियों एवं विशेष आमंत्रियों की सूची संलग्न है।

मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, उत्तराखण्ड/सदस्य सचिव, आर0ए0जी0 द्वारा समस्त उपस्थित सदस्यगणों का स्वागत करते हुये बैठक में अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु आभार व्यक्त किया गया। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि परिषद की विगत बैठक दिनांक 09–09–2004 को हुई थी एवं अपरिहार्य कारणों से नियमित रुप से बैठको का आयोजन सम्भव नही हो सका। आज की बैठक परिषद के पुनर्गठन के उपरांत पहली बार हो रही है तथा आशा व्यक्त की गयी कि वानिकी अनुसंधान कार्यो को दिशा एवं गति प्रदान करने हेतु सदस्यों से बहुमूल्य सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा तथा आश्वासन दिया गया कि बैठक में लिये गये निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही निम्न प्रकार प्रारम्भ की गयी :–

1– सर्वप्रथम वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त द्वारा अनुसंधान सलाहकार परिषद की दिनांक 09–09–2004 को आयोजित चतुर्थ बैठक में अनुमोदित प्रस्तावों के अनुपालन पर बिन्दुवार निम्न प्रकार से प्रकाश डाला गया :–

(1.1) Establishment of Himalayan Botanical Garden at Sadiatal (Near Nainital Town) :–

समिति को वर्तमान प्रगति से अवगत कराते हुये सूचित किया गया कि 35 है0 क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के वृक्ष, झाड़ी, हर्बस् आदि के प्रदर्शन क्षेत्रों के साथ–साथ फर्नेटम, आर्किडेरियम, लाइब्रेरी, आडिटोरियम, हर्बेरियम, एक्वेटिक गार्डन, बटर फ्लाई गार्डन आदि का निर्माण किया गया है। समिति द्वारा अपेक्षा की गयी कि यहॉ बनाये गये भवनों यथा मीटिंग हाल, हर्बेरियम आदि का नियमित रुप से सदुपयोग किया जाना आवश्यक है, जिसके लिए विभिन्न वन प्रभागों, वानिकी प्रशिक्षण संस्थान, वन्य जीव शाखा, वन पंचायत शाखा आदि द्वारा यहॉ विभिन्न गोष्ठियों, सेमिनार, भ्रमण कार्यक्रम व अन्य प्रचार–प्रसार कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके लिये आवश्यक समन्वय स्थापित किया जाय।

(1.2) Provenance trial of Jatropha :–

समिति को अवगत कराया गया कि जैट्रोफा में गतवर्ष अत्यंत न्यून मात्रा में फलत प्राप्त हुई थी तथा डाटा नियमित रुप से लिया जा रहा है। सदस्यों की राय थी कि अभी कुछ वर्ष तक परिणामों का परिशीलन किया जाय। अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देश दिये गये कि विभिन्न वन प्रभागों द्वारा पूर्व में किये गये जैट्रोफा वृक्षारोपण क्षेत्रों का भी अनुश्रवण व मूल्यांकन किया जाय व उसके आधार पर वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त क्षेत्रों का निर्धारण किया जाय।

(1.3) Cultivation of medicinal plants :–

समिति को सिल्वी मेडिसनल मॉडल के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। समिति द्वारा यह निर्देश दिये गये कि विभिन्न शोध संस्थाओं यथा सीमैप, एच0आर0डी0आई0 द्वारा किये गये अध्ययनों से प्राप्त विधि व परिणामों के आधार पर एवं एच0आर0डी0आई0 द्वारा चयनित 26 प्रजातियों विशेषकर स्थानीय प्रजातियों के सम्बंध में ही आगे की कार्यवाही की जाय ।

(1.4) **To study the forest hydrology system for Sal :–**

समिति द्वारा अब तक प्रयोग से प्राप्त निष्कर्ष "Controlled surface fire treatment prior to seed fall recommended" को एक सराहनीय संस्तुति कहा गया तथा यह सुझाव दिया कि परिणामों का विस्तृत विश्लेषण कर क्षेत्रीय वन प्रभागों को इसकी तकनीकी जानकारी दी जाय।

(1.5) **Tree improvement of Eucalyptus through clonal technology :–**

सदस्यों द्वारा उत्पादकता के सम्बंध में विस्तार से विचार व्यक्त किये गये एवं अब तक नये क्लोनो – जी–22, ए0पी0–10, के–23 एव के–25 से प्राप्त एम0ए0आई0 8 से 12 घ0मी0 प्रति है0 प्रति वर्ष को पर्याप्त नही माना गया तथा अधिक उन्नतशील क्लोनो के विकास की अपेक्षा की गयी। समिति द्वारा युकेलिप्टस के नये क्लोन विकसित करने हेतु निरन्तर प्रयासरत रहने के सुझाव दिये गये।

(1.6) **Study of impact of ban on green felling of Chir pine :–**

समिति को अवगत कराया गया कि अध्ययन अंतिम चरण में है। समिति द्वारा प्रोजेक्ट को महत्वपूर्ण बताया गया तथा निर्देशित किया गया कि इसके परिणामों का विश्लेषण 6 माह के अन्दर करके अवगत कराया जाय।

(1.7) **Assessment of germination percentage of seeds of different species :–**

हल्दू के अंकुरण तकनीक से समिति को अवगत कराया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा प्रोजेक्ट को उपयोगी बताते हुये क्षेत्रीय वन प्रभागों तक तकनीक को प्रसारित करने पर बल दिया गया।

(1.8) **Study of propagation of Oaks and its associates :–**

अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के सदस्यों द्वारा प्रकट किये गये विचारों के उपरांत निर्देश दिया गया कि जिन प्रजातियों के परिणाम प्राप्त हो गये है उनको प्रकाशित किया जाय।

2– वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी द्वारा प्रभाग अन्तर्गत किये जा रहे अनुसंधान कार्यो पर बिन्दुवार निम्न प्रकार से प्रकाश डाला गया :–

(2.1) **Developing germination technique of Haldu (*Adina cordifolia*) :–**

वन वर्धनिक द्वारा अवगत कराया गया कि नई तकनीक के आधार पर हल्दू में 60–70 प्रतिशत अंकुरण क्षमता एवं लगभग 90 प्रतिशत अतिजीवितता प्राप्त की गई है। सदस्यों एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा कार्य को सराहनीय बताते हुये तकनीक को क्षेत्रीय वन प्रभागों को शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

(2.2) **Analysis of sample plots. Linear Increment plots, Tree increment Plots etc. :–**

समिति को अवगत कराया गया कि विभिन्न गाटाओं के वर्ष 1911 से आवश्यक डाटा एकत्रित किये जा रहे है एवं उनके कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही की जा रही है। समिति द्वारा उक्त गाटाओं का विश्लेषण एफ0आर0आई0 से कराये जाने के सम्बन्ध में सुझाव दिया गया। अनुसंधान शाखा द्वारा उक्त गाटाओं का नियमित रखरखाव एवं मापन किये जाने के प्रयास को सराहनीय बताते हुये एफ0आर0आई0 ने अवगत कराया कि यद्यपि वर्तमान में एफ0आर0आई0 द्वारा विश्लेषण का कार्य नही किया जा रहा है, किन्तु आवश्यकता होने पर विश्लेषण के सम्बन्ध में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जायेगा।

(2.3) **Supply of quality seeds to divisions of State Forest Departments and other private organisations :–**

वर्तमान में विभिन्न प्रजातियों के 11000 कि.ग्रा. बीज का एकत्रीकरण/वितरण किया जा रहा है, जो मॉग/आवश्यकता से कम है। समिति ने विचार व्यक्त किया कि विभिन्न वन प्रभागों के कर्मचारियों एवं ग्राम वन पंचायतों व नरेगा के अन्तर्गत कार्य करने वाले व्यक्तियों को सीड़ स्टैण्ड एवं गुणवत्तायुक्त बीजो के एकत्रीकरण की तकनीकी जानकारी अनुसंधान शाखा द्वारा दी जाय तो उक्त समस्या का निदान हो सकता है। इस पर अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि अनुसंधान शाखा द्वारा विशिष्ट प्रजातियों हेतु मानकों का निर्धारण कर निजी श्रोतों से गुणवत्तायुक्त बीजों की आपूर्ति के सम्बंध में कार्यवाही की जा सकती है।

3– वन वर्धनिक, पर्वतीय, नैनीताल द्वारा प्रभाग अन्तर्गत किये जा रहे अनुसंधान कार्यो पर बिन्दुवार निम्न प्रकार से प्रकाश डाला गया :–

(3.1) Trial on Hill Poplar Clones :–

समिति को अवगत कराया गया कि हिल पौपलर का क्लोन के विकास का प्रयोग वर्ष 1984 से चल रहा है एवं वर्तमान में चयनित 5 क्लोनो – जे–1, जे–2, जे–14, जे–15 व जे–18, के फील्ड ट्रायल प्रगति पर है। समिति के सदस्यों द्वारा हिल पौपलर के बारे में चर्चा की गयी तथा वर्तमान में इसकी कम उपयोगिता को ध्यान में रखते हुये आगामी एक वर्ष के आकड़े एकत्र कर प्रयोग को बंद करने एवं सबसे अच्छे क्लोन के चयन/प्रवर्धन का सुझाव दिया गया।

(3.2) Propagation of Thuner, Tejpat, Kaphal :–

समिति के सदस्यों द्वारा थुनेर, तेजपात व काफल के प्रवर्धन हेतु शोध कार्यो को सराहनीय पाया गया तथा इनके परिणामों को प्रकाशित करने के सुझाव दिये गये।

(3.3) Polypit Technique Trial :–

समिति को अवगत कराया गया कि इस विधि से विभिन्न प्रजातियों की बढ़त में 20 से 264 प्रतिशत तक वृद्धि पाई गयी है। इस संदर्भ में सुझाव दिया गया कि धीमी गति से उगने वाली प्रजातियों के लिये Slow releasing urea तकनीक का प्रयोग किया जा सकता है। इस प्रणाली के प्रयोग से न्यूजीलैण्ड में कम समय में काफी बड़े पौधे उगाये गये है।

(3.4) Ecological Restoration of Lantana Infested Site by Fodder Species in Jangaliya Gaon :–

समिति को अवगत कराया गया कि लैन्टाना उन्मूलन के उपरांत विभिन्न चारा प्रजातियों का रोपण गत वर्ष किया गया है तथा प्रगति का आकलन व अनुश्रवण किया जा रहा है। समिति के सदस्यों द्वारा ध्यानाकर्षित कराया गया कि रोपित सभी घास की प्रजातियॉ चारा हेतु उपयुक्त नही हैं, अतः इसका संज्ञान लिया जाय।

(3.5) Suppression of Lantana by Bamboo in Jangaliya Gaon:–

समिति को अवगत कराया गया कि लैन्टाना प्रभावित क्षेत्रों में बॉस का रोपण किया गया है, जिससे लैन्टाना की वृद्धि पर नियंत्रण का आकलंन किया जा सके। समिति का विचार था कि इस सम्बन्ध में पंजाब एवं अन्य राज्यों में अच्छे कार्य हुये है, जिसे देख लिया जाय।

4– मुख्य वन संरक्षक/सदस्य सचिव द्वारा कैम्पा तथा आर0टी0 योजना के अन्तर्गत नये प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये तथा समिति द्वारा विस्तृत एवं सम्यक विचारोपरान्त निम्न प्रकार निर्णय लिये गये :–

(4.1) कैम्पा प्रोजैक्ट :–

क्रसं	परियोजना का नाम	समिति का निर्णय/सुझाव
Collaborative Research (1a) for preparation of volume table, climate change studies, hydrological investigation, Development of urban forestry models, stake holders survey on forestry issues, forest certification, inventorization of vegetation, etc		
1	Vol. Table of Sal	समिति द्वारा इस निर्देश के साथ अनुमोदन किया गया कि परियोजना लागत को कम किया जाय तथा संस्थागत शुल्क न लिया जाय तथा शुल्क न लिया जाय। संशोधित वित्तीय प्रस्ताव अध्यक्ष महोदय को प्रेषित किया जाय।
2	Vol. Table of Teak	
3	Vol. Table of Eucalyptus	
4	Vol. Table of Poplar	
5	Trial of different summer grasses under pine forests in Chamoli and Almora	समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि वि0प0कृ0अ0सं0, अल्मोड़ा द्वारा विकसित तकनीक के आधार पर उपयुक्त प्रजातियों को नर्सरी में संगुणन करके 30 से 50 है0 के किसी एक क्षेत्र में प्रायोगिक रोपण किया जाय।
6	Agroforestry model of medicinal trees in hill areas of Dehradun & Champawat	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।

7	Socio economic survey of collectors involved in collection of medicinal plants especially Jhula	समिति द्वारा अनुमोदन किया गया एवं सुझाव दिया गया कि झूला विदोहन से वन क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभावों का भी आकलंन करने का प्रयास किया जाय।
8	Chemical analysis of selected wild aromatic and medicinal species	समिति द्वारा इस निर्देश के साथ अनुमोदन प्रदान किया गया कि सिर्फ सगंध पौधों का ही अध्ययन किया जाय, औषधीय पौधो का नही।
9	Potential of dry pine needles for paper making	समिति द्वारा असहमति व्यक्त की गयी।
10	Identification of unknown species of macaque in Ascot WLS	समिति द्वारा इस सुझाव के साथ अनुमोदन प्रदान किया गया कि यूकोस्ट के माध्यम/सहयोग से खून की जॉच कराई जाय जिससे व्यय कम से कम आये।
Demonstration plots and trials of need based initiatives (1b)		
1	Developing demonstration plot of Dashmool species in Lalkuan nursery	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया एवं सुझाव दिया गया कि वित्तीय परिव्यय को बढ़ाते हुये 0.5 है0 के बजाय 1.00 है0 में स्थापित किया जाय।
2	Developing demonstration plot of *Ginkgo biloba* in Kalika	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
3	Developing demonstration plot of Ashtavarga in Devban nursery	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया एवं सुझाव दिया गया कि वित्तीय परिव्यय को बढ़ाते हुये 0.5 है0 के बजाय 1.00 है0 में स्थापित किया जाय।
4	Developing Medicinal plants demo area in Haldwani Nursery	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
5	Developing medicinal plants & orchids demo area in Himalayan Botanic Garden	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।
Establishment /maintenance of seed plots/orchards (1c)		
1	Establishment of SSPAs of Harad, Sandan, Kachnar, Jhingan, Kharpat, Haldu & Champa at Lalkuan nursery	झिंगन को छोड़कर अन्य प्रजातियों का एस0एस0पी0ए0 स्थापित करने हेतु समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
2	Establishment of seed plots of Sarpgandha and Satavar in Lalkuan nursery	समिति द्वारा इस निर्देश के साथ अनुमोदन प्रदान किया गया कि इस योजना में अश्वगंधा को भी सम्मिलित कर लिया जाया तथा क्षेत्रफल बढ़ाया जाय।
3	Establishment of seed plot of timru in Lohaghat nursery	समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया एवं सुझाव दिया गया कि 0.5 है0 के बजाय 1.00 है0 में स्थापित किया जाय।
Development of nursery techniques for propagation of indigenous species including germination trials and vegetative methods (1d)		
1	Development of nursery techniques for propagation of shrub species *Cotoneaster bacillaris, Berberis spp., Zanthoxylum alatum* Including germination trails and vegetative method (Sadiyatal nursery)	समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि किलमोड़ा पर इस सम्बंध में कार्य किया गया है, इसकी जानकारी प्राप्त कर ली जाय तथा इसके स्थान पर भैकल एवं घिंघारु पर कार्य किया जाय।
2	Development of nursery technique for the propagation of hard to propagate tree species *Adina cordifolia, Anogeissus latifoila, Oogenia oogenensis,* and *Michelia champaca* at Lalkuan nursery	समिति द्वारा इसे स्वीकार किया गया।
3	Development of germination technique for the propagation of Chandan, Beejasal & Pula at Haldwani nursery	समिति द्वारा पूला के स्थान पर पाड़ल, श्रेबेरा, ढाक, प्रेमना व सलईगुगल को सम्मिलित करने का सुझाव दिया गया।

4	Development of propagation technique of *Skimmia laureola* - kedarpati at Devban nursery	समिति द्वारा इसे स्वीकार किया गया।
5	Nursery technique of selected fodder trees viz. *Ficus nemoralis* (Dudhila), *Litsea monopetala* (Karka) and *Ulmus wallichiana* (Imroi) at Gaja nursery	समिति द्वारा इसे अस्वीकार किया गया।
Modern seed storage facilities for important species & strengthening of existing nurseries (1e)		
1	Upgradation of existing seed store /seed lab in Haldwani	समिति द्वारा स्वीकार किया गया।
2	Strengthening of part of Haldwani nursery	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।
Strengthening research cell by hiring technical personnel & up gradation of laboratory (1g)		
1	Upgradation of existing soil lab in Haldwani	समिति द्वारा नये उपकरणों के क्रय पर असहमति व्यक्त करते हुये शेष प्रस्ताव स्वीकार किया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देश दिये गये कि सीड़ स्टोर/लैब तथा मृदा प्रयोगशाला हेतु एक ही जनरेटर क्रय किया जाय।

(4.2) आर0टी0 प्रोजैक्ट :-

क्र0सं0	परियोजना का नाम	समिति का निर्णय/सुझाव
1	Growth, productivity and quality trail of Tejpat provenances in Bhujia ghat.	कैप सेलाकुई के सुझावों के अनुरुप उत्तराखण्ड में पाये जाने वाले 6 कीमो टाईप तेजपात के ट्रायल पर विचार करने के निर्देश समिति द्वारा दिये गये।
2	Development of Gaja nursery as centre for fodder research .	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।
3	Development of nursery technique of Rhododendron Kalika.	समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि बुरांश के अधिक से अधिक पौधों को उगाने की कार्यवाही की जाय।
4	Demonstration area for Damask Rose & Pushkar mool for livelihood promotion of high altitude population.	समिति द्वारा स्वीकार किया गया तथा सुझाव दिया गया कि इस सम्बन्ध में कैप, सेलाकुई से तकनीकी सहयोग प्राप्त किया जाय।
5	Ecological studies with respect to drying of baanj oak	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।
6	Restoration of drying springs.	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।
7	To study the productivity of moss (Funaria sps.)under controlled conditions in Sadiyatal.	समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि डा0 उप्रेती से विचार–विमर्श एवं विस्तृत अध्ययन कर आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय।
8	Germination and suitability trials of *Michelia champaca.*	समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि विस्तृत अध्ययन कर आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय।
9	Multilocational trials of *Acacia mangium*	समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि विस्तृत अध्ययन कर आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय।
10	Developing new clones of Eucalyptus.	समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि यह एक निरन्तर जारी रहने वाला कार्य है तथा तदनुसार सहमति व्यक्त की गयी।
11	Developing new clones of Poplar.	
12	Survey, selection & multiplication of disease resistant accessions of Shisham.	इस सम्बंध में एफ0आर0आई0 द्वारा कार्य किया जा रहा है। अतः समिति द्वारा इसे उचित नही पाया गया।
13	Inter-cropping studies of Semal- Musli in Poplar plantations	समिति द्वारा अस्वीकार किया गया।

14	Study of existing plantations for evaluating species suitability for different eco-climatic zones .	समिति द्वारा इसे स्वीकार किया गया तथा सुझाव दिया गया कि Title को संशोधित करते हुये species suitability की जगह most promising species लिखा जाय।
15	Extension of research activities	समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि जनपदो में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से प्रसार सम्बंधी कार्य किये जायें।
16	Strengthening of tissue culture lab	अध्यक्ष महोदय द्वारा यह निर्णय दिया गया कि वे आगामी दौरे में प्रयोगशाला के निरीक्षणोपरान्त आवश्यक निर्णय लेगें।

5– समिति द्वारा अनुसंधान कार्यो के सम्बंध में निम्न निर्देश दिये गये :–

(1) श्री नृपेन्द्र चौहान एवं डा0 एम0 सी0 नोटियाल द्वारा सुझाव दिया गया कि अनुसंधान पौधशाला के स्थान पर फील्ड रिसर्च स्टेशन एवं डिमोस्ट्रेशन प्लॉट के स्थान पर फ्रंट लाईन डिमोस्ट्रेशन शब्दावली का प्रयोग किया जाय।

(2) डा0 जे0एस0 मेहता द्वारा सुझाव दिया गया कि रिसर्च कार्य महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट प्रकृति के होते है तथा इसके लिये विभागीय स्टाफ उपलब्ध नही हो पाते है। अतः उचित होगा कि इसके समाधान हेतु प्रशिक्षण की भॉति रिसर्च शाखा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को 15 प्रतिशत विशेष वेतन प्रदान किया जाय। डा0 मेहता द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि प्राकृतिक वनो को काटकर पूर्व में जहॉ पौपलर एवं यूकेलिप्टस लगाया गया था वहॉ की मिट्टी, जलवायु आदि की तुलना समीप के प्राकृतिक वनो से किया जाना आवश्यक एवं उपयोगी प्रतीत होता है, जिससे भावी नीति निर्धारण में मदद मिलेगी।

(3) श्री एस0एस0 शर्मा द्वारा सुझाव दिया गया कि रिसर्च शाखा की उपलब्धियों की जानकारी वन प्रभागों को नहीं रहती है। अतः इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जाय।

(4) डा0 बरफाल द्वारा सुझाव दिया गया कि रिसर्च शाखा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को अन्य प्रदेशों का एक्सपोजर भ्रमण कराया जाय, जिससे दूसरे राज्यों में हो रहे अच्छे कार्यो की जानकारी व लाभ प्राप्त हो सकें।

(5) अध्यक्ष महोदय द्वारा यह निर्देश दिया गया कि अनुसंधान शाखा द्वारा नियमित रुप से तकनीकी पैम्फलेट निकाला जाय, वनवाणी में शोध कार्यो से सम्बन्धित लेख प्रकाशित किया जाय एवं इन्डियन फारेस्टर/कान्फ्रेन्स/सेमिनार आदि में अधिक से अधिक पेपर प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाय। साथ ही इको जोन वार महत्वपूर्ण प्रजातियों का चिन्हीकरण, बीज उत्पादन/प्रमाणीकरण कार्यक्रम, वानिकी कार्यो में सिविल सोसायटी के योगदान, मानव वन्य जीव संघर्ष व अग्नि विभीषिका के संबंध में अनुसंधान शाखा द्वारा विशेष प्रयास/शोध किये जायें। अध्यक्ष महोदय द्वारा भविष्य में महत्वपूर्ण एवं व्यवसायिक प्रजातियों की क्वालिटी पौध अधिक से अधिक तैयार करने एवं विभिन्न प्रभागों को आपूर्ति करने के निर्देश दिये गये।

अंत में अध्यक्ष महोदय द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये परिषद की आगामी बैठक दिसम्बर 2010 से पूर्व आयोजित करने के निर्देश दिये गये।

अनुमोदित

20/7/2010

(डा0 आर0बी0एस0 रावत)
प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड/
अध्यक्ष, वानिकी अनुसंधान सलाहकार परिषद
उत्तराखण्ड

(एस0के0 सिंह)
मुख्य वन संरक्षक
जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान,
हल्द्वानी /सदस्य सचिव, वानिकी अनुसंधान
सलाहकार परिषद, उत्तराखण्ड

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान हल्द्वानी

दूरभाष : 05946-234047, फैक्सः 05946-235136 ई–मेल ccfresearch@rediffmail.com

पत्रांक– 28/6–3 ,दिनांक, हल्द्वानी 29. 07. 2010

प्रतिलिपि निम्नलिखत को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1– प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड।
2– प्रमुख वन संरक्षक, ग्राम वन, वन पंचायत एवं संयुक्त वन प्रबन्ध, उत्तराखण्ड।
3– प्रमुख वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तराखण्ड, नैनीताल।
4– निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून।
5– निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।
6– डा0 बी0एस0बरफाल, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून।
7– अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड।
8– अपर प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं प्रबन्धन, उत्तराखण्ड।
9– प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।
10– निदेशक, पं0जी0बी0पंत इन्स्टीटयूट ऑफ हिमालय इन्वायरमैन्ट एण्ड डैवलपमैन्ट, अल्मोड़ा।
11– निदेशक, वि0प0कृ0अ0संस्थान, कोसी, अल्मोड़ा।
12– निदेशक, जड़ी बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर, चमोली।
13– निदेशक, यूकास्ट , उत्तराखण्ड, देहरादून।
14– कुलपति, पं0 गो0ब0पं0 कृषि वि0वि0 पंतनगर।
15– मुख्य वन संरक्षक, कार्ययोजना, हल्द्वानी।
16– डा0 जे0एस0 मेहता, से0नि0 वनाधिकारी, अल्मोड़ा।
17– डा0 वीना पेन्यूली, से0नि0 विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान, एम0के0पी0 कालेज, देहरादून।
18– डा0 रामेश्वर दयाल, रसायन विशेषज्ञ (से0नि0) एफ0आर0आई0, देहरादून।
19– श्री नृपेन्द्र चौहान, प्रभारी वैज्ञानिक, कैप, सेलाकुई।
20– श्री जे0के0 विष्ट, वि0प0कृ0अ0संस्थान, कोसी, अल्मोड़ा।
21– श्री एस0 सिंघल, विभागाध्यक्ष, आर0एस0एम0 डिवीजन, एफ0आर0आई, देहरादून।
22– श्री वी0के0 मलकानी, प्रोफेसर, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।
23– डा0 वी0के शाह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, फारेस्ट ईकोलोजी, जी0बी0 पंत कृषि विश्वविद्यालय, रानीचौरी।
24– डा0 एम0सी0 नोटियाल, डीन, जी0बी0 पंत कृषि विश्वविद्यालय, रानीचौरी।
25– वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी।
26– वन वर्धनिक, साल, हल्द्वानी।
27– वन वर्धनिक, पर्वतीय, नैनीताल।

(एस0के0 सिंह)
मुख्य वन संरक्षक
जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान,
हल्द्वानी /सदस्य सचिव, वानिकी अनुसंधान
सलाहकार परिषद, उत्तराखण्ड

उपस्थित सदस्यों की सूची

क्र सं	अधिकारी का नाम	पदनाम	मोबाईल नम्बर	ई–मेल पता
1	श्री आर0 बी0 एस0 रावत	प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड / अध्यक्ष	9412051550	pccf_uta@yahoo.com
2	श्री एस0एस0 शर्मा	प्रमुख वन संरक्षक, ग्राम, वन पंचायत एवं सं0व0प्र0, उत्तराखण्ड / सदस्य	9412085964	pccfvanpanchyat@rediffmail.com
3	श्री श्रीकान्त चन्दोला	अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड / विशेष आमंत्री	9412054439	s_chandola2002@yahoo.com
4	श्री एस0 एस0 नेगी	निदेशक, एफ0आर0आई0 देहरादून / सदस्य	9411173194	negiss@icfre.org
5	डा0 बी0 एस0 बरफाल	अध्यक्ष, जैव विविधता बोर्ड, उत्तराखण्ड / सदस्य	9412053605	bs_burfal@rediffmail.com
6	श्री ए0के0दत्त	प्रबन्ध निदेशक, वन विकास निगम, उत्तराखण्ड / सदस्य	9411115000	ankrdutt@yahoo.com
7	श्री ए0आर0 सिन्हा	मुख्य वन संरक्षक, कार्ययोजना, उत्तराखण्ड / सदस्य	9412086310	amulyasinha@yahoo.com
8	डा0 वीना पैन्यूली	विभागध्यक्ष (से0नि0), वनस्पति विज्ञान, एम0के0पी0 कालेज, देहरादून / सदस्य	9927032687	-
9	डा0 रामेश्वर दयाल	वैज्ञानिक–एफ (से0नि0) एफ0 आर0 आई0, देहरादून / सदस्य	9013435133	dqyalr2002@yahoo.com
10	डा0 जे0एस0मेहता	वनाधिकारी (से0नि0) / सदस्य	9412092511	
11	डा0 जे0के0बिष्ट	प्रमुख वैज्ञानिक एवं हैड़ वी0पी0के0ए0एस0ए0 अल्मोड़ा / सदस्य	9412436120	bishtjk@hotmail.com
12	श्री एस0 सिंघल	हेड, आर0एस0एम0 डिवीजन, एफ0आर0आई, देहरादून / सदस्य प्रतिनिधि	9411362703	head_rsm@icfre.org
13	श्री वी0के0मलकानी	प्रोफेसर, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून / सदस्य प्रतिनिधि	9756836837	melkani@wii.gov.in
14	श्री एस0 के0 सिंह	मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान / सदस्य सचिव	9412076135	sksingh2015@yahoo.com
15	श्री राजेन्द्र डोभाल	निदेशक, यूकास्ट, देहरादून / सदस्य	9458151777	rdobhal@rediffmail.com
16	श्री नृपेन्द्र चौहान	वैज्ञानिक, कैप, सेलाकुई, देहरादून / विशेष आमंत्री	9837006749	nchauhan2004@rediffmail.com
17	डा0 एम0 सी0 नौटियाल	डीन, जी0बी0 पंत कृषि विश्वविद्यालय, रानीचौरी / सदस्य प्रतिनिधि	9412076770	mcnautiyal@rediffmail.com
18	डा0 वी0 के0 शाह	वरिष्ठ वैज्ञानिक, फारेस्ट ईकोलोजी, जी0बी0 पंत कृषि विश्वविद्यालय, रानीचौरी / सदस्य प्रतिनिधि	-	-
19	श्री के0एम0राव	वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी / सदस्य	9411107617	kesavarajumuralirao@gmail.com
20	श्रीमती प्राची गंगवार	वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी	9453601717	gangwarprachi78@rediffmail.com
21	श्रीमती नेहा वर्मा	वन वर्धनिक, पर्वतीय, नैनीताल	9412084270	amitneha@yahoo.com